भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर, पुस्तकालय
Indian Institute of Management Amritsar
LIBRARY

The Tribune

IIM Amritsar media coverage on The Tribune. Page: 15. Date: 21/11/2024

IIM-A, not-for-profit group Viksit Amritsar sign MoU for development of holy city

TRIBUNE NEWS SERVICE

AMRITSAR, NOVEMBER 20

The Indian Institute of Management, Amritsar (IIM-A) and Viksit Amritsar, a visionary not-for-profit organisation inspired by Taranjit Singh Sandhu, former Indian ambassador to the US, have formalised their collaboration through an MoU.

The partnership aims to drive transformative initiatives that elevate Amritsar's entrepreneurial ecosystem, social infrastructure and overall development.

Dr Mahima Gupta, Dean of Academics & Programmes at IIM Amritsar, and Dr Sanjiv Lakhanpal, founder-president and CEO of Viksit Amritsar, formally signed the MoU.

With an initial funding commitment of Rs 1 crore from Viksit Amritsar, the partnership represents the beginning of a collaborative effort to transform the socio-economic landscape of Amritsar. It aims to foster development, generate employment opportunities and promote sustainable growth.

Officials of IIM Amritsar and Viksit Amritsar sign an MoU.

Sandhu said that the initiative is a collective effort of IIM and Viksit Amritsar organisation. "The members of Viksit Amritsar basically hail from Amritsar only. They are committed to provide the seed money to bring about development and provide opportunities, making Amritsar a better place. I will be facilitating them in their initiative for the good of holy city and its residents," he said.

Prof Nagarajan Ramamoorthy, Director of IIM Amritsar, highlighted the significance of the partnership: "Together, we aim to empower Amritsar through sustainable and impactful initiatives."

Viksit Amritsar is an organisation formed in the US with the goal of 'Amritsar Da Vikas' through partnerships between Indophiles with a special bond to Amritsar, spread the world over.

Its Board members include Dr Sanjiv Lakhanpal, Dr Sudhir Sekhsaria, Mukesh Aghi, Jesse Singh, Dr Gurdeep Chhabra and Gurpreet Takhar.

The collaboration will focus on three key areas. First, it aims to foster an entrepreneurship ecosystem by having IIM Amritsar solicit and evaluate innovative startup proposals. Viksit Amritsar will provide funding for shortlisted ventures after mutual deliberation. Second, it seeks to promote cleanliness and hygiene through joint efforts to position Amritsar as a model clean city. This will involve active participation from local stakeholders and administrative bodies. Finally, the initiative will address the issue of drug addiction by partnering with US-based pharmaceutical companies to provide medical supplies and implement rehabilitation programmes. IIM Amritsar will facilitate these efforts through the necessary government approvals and partnerships.

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
पुस्तकालय
LIBRARY
Indian Institute of Management Amritsar

दैनिक भास्कर

IIM Amritsar media coverage on दैनिक भास्कर . Page: 11. Date: 21/11/2024

प्रोजेक्ट • विकसित अमृतसर के तहत युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने को अभियान चलाएगा आईआईएम, केंद्र से एमओयू

नशे के खात्मे और स्वच्छता के लिए मुहिम छेड़ेगा आईआईएम

भास्कर न्यूज | अमृतसर

शहर के ज्वलंत मुद्दों और समस्याओं में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, सफाई व्यवस्था को ठीक रखना और नशे के प्रकोप से लोगों को बचाना और जो प्रभावित हैं उनको मुख्य धारा में लाना शामिल हैं। इस पर पहले से काम हो रहा है लेकिन इन तीनों को खास रूप से केंद्रित करके अभी तक काम नहीं हुआ है। फिलहाल अब 'विकसित भारत' अभियान के तहत 'विकसित अमृतसर' प्रोजेक्ट में इन मुद्दों को

शामिल किया गया है, जिसमें अहम भूमिका इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) और 'अमृतसर दा विकास' संस्था निभाएंगे। इसके लिए दोनों के बीच एक करोड़ का एमओयू साइन किया गया है। आईआईएम कैंपस में एक समागम में हुए एमओयू साइन के दौरान आईआईएम अमृतसर के डायरेक्टर डॉ. नागराजन रामामूर्ति, विकसित अमृतसर के सीईओ और अध्यक्ष डॉ. संजीव लखनपाल, डॉ. सुधीर सेखसरिया, मुकेश अघी, जेसी सिंह, डॉ. गुरदीप छाबड़ा, गुरप्रीत ठक्कर, डीन एकेडमिक महिमा गुप्ता, डॉ. अस्वति आसोकन अजिता मौजूद रहे। गौर हो कि यह प्रोजेक्ट पूर्व राजदूत और भाजपा के लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे तरनजीत सिंह संधू की पहल पर वजूद में आया है।

'अमृतसर दा विकास' संस्था मुहैय्या करवाएगी फंड

डॉ. रामामूर्ति और डॉ. लखनपाल ने बताया कि यह प्रोजेक्ट गुरु नगरी के बहुआयामी विकास, स्वच्छता, स्वावलंबन और नशे जैसी समस्या को लेकर मील का पत्थर साबित होगा। चूंकि अभी तक इन मसलों पर फोकस्ड होकर काम नहीं हुआ था। फिलहाल अब इसमें अमृतसर दा विकास फंड मुहैया करवाएगी और उससे आईआईएम अपने तरीके से उक्त मुद्दों पर काम करेगी। एमओयू के मुताबिक 3 पहलुओं पर काम होना है। पहला युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के अवसर देने के लिए उनको ट्रेनिंग दी जाएगी और सरकार की योजनाओं बारे जागरूक किया जाएगा। दूसरा शहर की साफ-सफाई। आईआईएम इसके तहत कैंप और सेमिनार से आम लोगों के साथ संस्थाओं को जागरूक करेगी और सफाई के तौर-तरीके भी बताएगी। तीसरा सबसे अहम और संवेदनशील मुद्दा नशे का है। युवाओं और दूसरों को नशे से दूर रहने, उसके होने वाले नुकसान बारे जागरूक किया जाएगा।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
पुस्तकालय
LIBRARY
Indian Institute of Management Amritsar